बी.ए.

BHL E-712B

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन – 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- विमर्शमूलक या अस्मितामूलक साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
- अस्मितामूलक विमर्श के औचित्य को समझ पाएंगे.
- विमर्शमूलक या अस्मितामूलक साहित्य की मूल प्रकृति से परिचित हो सकेंगे.
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा.

इकाई-1 विमर्शों की सैद्धांतिकी

1. दलित विमर्श की अवधारणा और आंदोलन : ज्योतिबा फुले और डॉ.भीमराव अम्बेडकर
2. स्त्री विमर्श की अवधारणा और मुक्ति आंदोलन : पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ
3. आदिवासी विमर्श की अवधारणा और आंदोलन : जल जंगल जमीन और पहचान का सवाल

इकाई-2. विमर्शमूलक कथा साहित्य

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम
2. नासिरा शर्मा : खुदा की वापसी
3. जयप्रकाश कर्दम : नो बार
4. मोहनदास नैमिशराय : मुक्तिपर्व (उपन्यास) पृष्ठ संख्या -24 -29
5. हरिराम मीणा : धूणी तपे तीर (उपन्यास) पृष्ठ संख्या-158-167
6. सुमित्रा कुमारी सिन्हा : व्यक्तित्व की भूख

इकाई-3. विमर्शमूलक दलित कविता

1. अछूतानन्द : दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे
2. नगीना सिंह : कितनी व्यथा
3. कालीचरण स्नेही : दलित विमर्श
4. माता प्रसाद : सोनवा का पिंजरा

इकाई-4. विमर्शमूलक स्त्री कविता

1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा
2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चंपा
3. सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ?

इकाई-5 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं

1. प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या (आत्मकथा) पृष्ठ-28-42
2. तुलसीराम : मुर्दहिया (आत्मकथा) पृष्ठ संख्या 125-135
3. महादेवी वर्मा : स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
4. डॉ. धर्मवीर : दलित चिंतन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

संदर्भ ग्रंथ-

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
2. कँवल भारती : दलित विमर्श की भूमिका
3. जगदीश्वर चतुर्वेदी और सुधा सिंह : स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा (खंड-1,खंड-2)
4. प्रभा खेतान : उपनिवेश में स्त्री
5. रमणिका गुप्ता :आदिवासी अस्मिता का संकट
6. रमणिका गुप्ता : दलित-चेतना साहित्यिक और सामाजिक सरोकार
7. ज्योतिबा फुले : गुलामगिरी
8. सिमोन द बोउवा : स्त्री उपेक्षिता
9. मूकनायक : डॉ बी.आर.अम्बेडकर
10. बहिष्कृत भारत : डॉ बी.आर.अम्बेडकर